माँ नर्मदा आरती

ॐ जय जगदानन्दी,

मैया जय आनन्द कन्दी।

ब्रह्मा हरिहर शंकर रेवा,

शिव हरि शंकर रुद्री पालन्ती॥

ॐ जय जय जगदानन्दी।

देवी नारद शारद तुम वरदायक,

अभिनव पदचण्डी।

सुर नर मुनि जन सेवत,

सुर नर मुनि शारद पदवन्ती॥

ॐ जय जय जगदानन्दी।

देवी धूमक वाहन,

राजत वीणा वादयन्ती।

झूमकत झूमकत झूमकत,

झननन झननन रमती राजन्ती॥

ॐ जय जय जगदानन्दी।

देवी बाजत ताल मृदंगा,

सुर मण्डल रमती।

तोड़ीतान तोड़ीतान तोड़ीतान,

तुरड़ड़ तुरड़ड़ तुरड़ड़ रमती सुरवन्ती॥

ॐ जय जय जगदानन्दी।

देती सकल भुवन पर आप विराजत,

निश दिन आनन्दी।

गावत गंगा शंकर सेवत रेवा शंकर,

तुम भव मेटन्ती॥

ॐ जय जय जगदानन्दी।

मैया जी को कंचन थाल विराजत,

अगर कपूर बाती।

अमरकंठ में विराजत,

घाटनघाट कोटी रतन ज्योति॥

ॐ जय जय जगदानन्दी।

मैया जी की आरती निशदिन पढ़ि गावें,

हो रेवा जुग-जुग नर गावें।

भजत शिवानन्द स्वामी जपत हरि,

मनवांछित फल पावें॥

ॐ जय जगदानन्दी,

मैया जय आनन्द कन्दी।

ब्रह्मा हरिहर शंकर रेवा,

शिव हरि शंकर रुद्री पालन्ती॥

ॐ जय जय जगदानन्दी।

1

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा (DharmYaatra)

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘‍♂️, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप

व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज

इंस्टाग्राम प्रोफाइल